www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
15 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 184 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीना हारा हुआ मैच

अल अमीरात (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप फाइनल में 1 विकेट से हरा दिया। शनिवार को अल अमीरात में भारत ने 9वीं बार यह टूर्नामेंट में जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रहे पाकिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। उस्मान खान ने 107 रन बनाए। उन्होंने 11 चौके और 3 सिक्स लगाए। अब्दुल कादिर ने 80 रन की पारी खेली। भारत से काव्य पटेल ने 4 और सी. वेंकट ने 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम ने 49.6 ओवर में 9 विकेट पर 339 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 रन की पारी खेली। उन्होंने 5 चौके लगाए। आर्यवीर



सहवाग ने 58 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके लगाए। आखिरी ओवर में मोहित ने चौका लगाकर जीत दिलाई। उन्होंने 49 रन बनाए। 49वें ओवर में मोहम्मद उल्वा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 17 रन बटोरे। मोहम्मद सय्यम के ओवर की पहली गेंद पर उल्वा ने चौका लगाया। दूसरी गेंद पर डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से छक्का जड़ा। इसके बाद चिगुरुपति वेंकट ने चौथी गेंद पर चौका लगाया। ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने 1-1 रन भी लिया। 49 ओवर के बाद भारत का स्कोर 9 विकेट पर 330 रन हो गया। उल्वा 22 गेंदों में 43 और वेंकट 6 गेंदों में 9 रन बनाकर खेल रहे थे। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे, जबकि पाकिस्तान को सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी।

यूपी वीरों की भूमि यहां 20 लाख जवानों का परिवार

मेरठ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ छावनी आज कहा, मैं मानता हूं कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। एक सैनिक की वर्दी बदलती है, लेकिन उनका राष्ट्रभक्ति का संकल्प कभी नहीं बदलता है। जब सेना से अवकाश ग्रहण करके वह गांव लौटकर आता है तो वह गांव के



समाज के लिए एक मार्गदर्शक और प्रेरणा भी बनता है। सीएम योगी ने यह बात मेरठ छावनी में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में कही। इस समारोह में हजारों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सैनिकों, वीरता पदक विजेताओं और शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। पूर्व सैनिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने वीरता पुरस्कारों की आर्थिक सहायता दोगुनी करने से लेकर शहीदों के आश्रितों को नौकरी देने तक कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

भालू के हमले में महिला की मौत



कोटद्वार बेस चिकित्सालय में ग्रामीणों से घटना की जानकारी लेते वन विभाग और पुलिस के अधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लाक के चरेख गांव में भालू का आतंक एक महिला की जान ले गया। गाय के लिए चारापत्ती लेने जंगल गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल महिला ने उपचार के लिए बेस चिकित्सालय पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद से गांव में शोक के साथ ही ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से दो भालू सक्रिय थे और इसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई थी, लेकिन विभाग ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया।घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे की है। चरेख निवासी अंजना देवी अन्य महिलाओं के साथ गांव से करीब 500 मीटर दूर खेतों में चारापत्ती लेने गई थी। इसी दौरान झाड़ियों से अचानक निकले भालू ने अंजना पर हमला कर दिया और उसे घसीटकर ले जाने लगा। यह देख आसपास मौजूद महिलाओं ने शोर मचाना शुरू कर दिया। महिलाओं के शोर से घबराकर भालू घायल अंजना को खेत में छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद महिलाओं ने ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीण घायल अंजना को लेकर चरेख के मुख्य मार्ग तक पहुंचे। करीब एक घंटे बाद उसे राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार भालू के हमले में महिला के गले और पेट पर गंभीर चोटें आई थीं। सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार और डीएफओ भी चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली और क्षेत्र में भालू के आतंक से निजात दिलाने का आश्वासन दिया।

पहले भी हो चुका है हमला

ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में भालू की सक्रियता लंबे समय से बनी हुई है। पिछले वर्ष भी भालू ने एक श्रमिक पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि जंगली जानवरों की लगातार बढ़ती धमक के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बावजूद इसके वन विभाग की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से क्षेत्र में सक्रिय भालू को जल्द पकड़ने और लोगों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

चमोली के कनोल जंगल में मां–बेटे के शव मिलने से सनसनी



चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र के कनोल गांव के जंगल में मां और बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है।

जंगल में दोनों के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि मां–बेटे की मौत भालू या किसी अन्य जंगली जानवर से बचने के प्रयास में खाई में गिरने से हुई होगी। हालांकि, उनकी मौत के वास्तविक कारणों की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार, कनोल गांव निवासी करीब 45 वर्षीय राधा देवी पत्नी स्वर्गीय धर्म सिंह अपने बेटे दीपक सिंह के साथ जंगल गई थीं। इसी दौरान दोनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जब गांव के अन्य लोग जंगल पहुंचे तो वहां मां–बेटे के शव देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की जानकारी फैलते ही गांव में शोक और दहशत का माहौल बन गया।

भालू या अन्य जंगली जानवर के हमले की आशंका

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र के जंगलों में जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। आशंका जताई जा रही है कि भालू अथवा किसी अन्य जंगली जानवर का सामना होने पर मां–बेटा जान बचाने के प्रयास में खाई में गिर गए होंगे। हालांकि, यह केवल ग्रामीणों की आशंका है। घटना के संबंध में किसी आधिकारिक जांच या पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है।

आईएएफ विंग कमांडर ने मांगे थे महिला जासूस से न्यूड फोटो

- बदले में फाइटर जेट की लोकेशन भेजी, चार्जशीट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर ने न्यूड तस्वीरों के लालच में देश की सुरक्षा से जुड़े गोपनीय राज पाकिस्तान को सौंप दिए। 5 महीने पहले गिरफ्तार इस अफसर की करतूतों का अब कोर्ट में दायर चार्जशीट से खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक विंग कमांडर ने पाकिस्तानी



महिला जासूस को लेह में लड़ाकू विमानों की तैनाती, राजस्थान में सैन्य अभ्यास और ड्रोन यूनिट की क्षमताओं से जुड़ी जानकारी तक दे दी। युद्ध के समय सेना कहां तैनात हो सकती है, इससे जुड़े दस्तावेज के पन्ने भी भेजे। उसने कहा था कि हर न्यूड फोटो के बदले वह वॉर प्लान का एक नया पेज देगा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। आरोपी विंग कमांडर मनोरथ सिंह सभरवाल को अगस्त 2026 में गिरफ्तार किया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 5 दिसंबर को अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई

- पंजाब चुनाव पर रख रहा बारीक नजर, साजिश का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। विदेशों में मौजूद अपने संपर्कों के जरिए पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है। इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसने विदेशों में सक्रिय अपने लोगों पर भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों



के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें। **दुबई और इस्तांबुल के रास्ते पाकिस्तान लाने की रणनीति-** एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसी रणनीति पर काम कर रहा है, जिसके तहत दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों को बुलाएगा।

मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दों को उछालने की तैयारी

इन आयोजनों के दौरान कश्मीर और पंजाब से जुड़े कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे उठाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का मुख्य मकसद अपने एजेंडे का प्रचार करना और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग को आगे बढ़ाना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान सिख समुदाय को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का पूरा ध्यान विदेशों में रहने वाले सिखों पर है।

कानूनी तरीके से पाकिस्तान लाने की तैयारी

इंटेलीजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए इन लोगों को पाकिस्तान लाया जा सके। ये दौरे गुप्त नहीं होंगे, बल्कि इन लोगों को कानूनी तरीकों से पाकिस्तान लाया जाएगा। यहां तक कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और बैठकों का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, इससे इन आयोजनों को एक तरह की वैधता मिल जाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से कोई सवाल भी नहीं उठाया जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान का मुख्य ध्यान उन दबाव समूहों के सदस्यों पर है, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं। इसके साथ ही खालिस्तान के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सिख प्रवासियों को भी पाकिस्तान बुलाया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान का इन लोगों को देश में लाने के लिए कानूनी रास्ता चुनना यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने खालिस्तान को वैध ठहराना चाहता है।

छठ के बाद निशांत कुमार बनेंगे डिप्टी सीएम!

सम्राट कैबिनेट विस्तार में नए फॉर्मूले की चर्चा



पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में इन दिनों पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। निशांत कुमार को लेकर चर्चाएं चल रही हैं जल्द ही वे सम्राट सरकार में उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि जेडीयू और बीजेपी के अंदर निशांत कुमार की डिप्टी सीएम की कुर्सी के लिए ताजपोशी की पूरी स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है। बस कुछ राजनीतिक पेच के चलते देरी हो रही है। दरअसल निशांत कुमार के राजनीति में आने से पहले ही जेडीयू नेता और कार्यकर्ता उन्हें मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के रूप में देखना चाहते थे। कई बार जेडीयू की बैठक में नारे भी लगे थे- बिहार का सीएम कैसा हो, निशांत जैसा हो। हालांकि निशांत कुमार ने खुद ही कोई भी पद लेने से मना कर दिया। बाद में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के कहने पर निशांत कुमार सरकार में शामिल हुए और स्वास्थ्य मंत्री बने।

रेस्ट जोन से दुर्घटना बीमा तक, राहुल के बड़े ऐलान

बोले-गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है भाजपा

हैदराबाद (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को हैदराबाद में गिग वर्कर्स की बाइक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठकर रैली में पहुंचे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी बाइक रैली में शामिल हुए।

हैदराबाद में आयोजित यह बाइक रैली शिल्पाकला वेदिका से शुरू हुई। राहुल गांधी ने नोवोटेल के पास गिग वर्कर्स को संबोधित किया। वह भारत समिट 2026 में शामिल होने के लिए शुक्रवार रात हैदराबाद पहुंचे थे और नोवोटेल होटल में ठहरे हुए थे। हैदराबाद पहुंचने पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, अन्य



मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। रैली में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले नोवोटेल होटल के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हाई-प्रोफाइल सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत डॉग स्क्वॉड ने पूरे इलाके की जांच की। इसके साथ ही वाहनों की आवाजाही पर भी कड़ी नजर रखी गई।

गिग वर्कर्स के लिए योजनाओं का राहुल गांधी ने किया शुभारंभ- हैदराबाद के हाइटेक सिटी स्थित जयभेरी ग्राउंड में राहुल गांधी ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम का शुभारंभ किया। इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क भी मौजूद रहे।

गिग वर्कर्स मोबाइल पर देख सकेंगे कमाई का पूरा ब्योरा

तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम का शुभारंभ करने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि 21वीं सदी डेटा का युग है। आज देशभर में डेटा की चर्चा हो रही है और डेटा सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। गूगल, फेसबुक, व्हाट्सऐप और उबर जैसी कंपनियां डेटा के आधार पर काम कर रही हैं, लेकिन अब तक भारत में गिग वर्कर्स को अपने ही डेटा तक पहुंच नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा कि नया कानून गिग वर्कर्स को अपने डेटा पर अधिकार देगा।

खरगोन में 25 दिन में दूसरा भूकंप

- तीव्रता 4.5, 3 से 4 सेकंड तक हिली धरती
- लोग घरों से निकले, स्कूली बच्चे मैदान पहुंचे

खरगोन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में 25 दिन के भीतर दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह 9.15 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। करीब 3-4 सेकंड तक जमीन में कंपन हुआ। भूकंप का केंद्र मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सतपुड़ा क्षेत्र में बताया गया है।

यह खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर और जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले 18 अक्टूबर को दोपहर 12.14 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस समय भी भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। शनिवार को आए झटकों का असर खरगोन,



सेंधवा, खंडवा, बुरहानपुर और भीकनगांव के सीमावर्ती इलाकों में महसूस किया गया। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के मुताबिक, खरगोन में भूकंप के बाद सुबह 10.29 बजे लेह-लद्दाख क्षेत्र में भी भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 दर्ज की गई।

कंपन से सोफा खिसका, लोग घरों से बाहर निकले

सुबह अचानक कंपन महसूस होने पर लोग घबरा गए। दीपक कानूनगो, प्रभुराम मालवी और बसंत सोनी ने बताया कि घर में रखे सोफे अपनी जगह से खिसकने लगे। वे परिवार के साथ तुरंत घरों से बाहर आ गए। सनावद रोड स्थित अविसंस स्कूल में भी कंपन महसूस हुआ। इसके बाद शिक्षक बच्चों को भवन से निकालकर मैदान में ले गए। बाद में उन्हें भूकंप के दौरान बचाव के तरीके बताए गए। खरगोन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि जिले के कई इलाकों से कंपन महसूस होने की सूचना मिली है। प्रशासन ने इसकी जानकारी जुटाई है। फिलहाल, नुकसान की सूचना नहीं है। लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। सेंधवा विधायक मोंटू सोलंकी ने इस पर बात की है।

गोधरा कांड दुर्घटना नहीं, सोची-समझी साजिश थी

- सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने किया दावा
- बोले-एसआईटी, नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी यही थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीबीआई स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड को लेकर दावा किया कि साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग दुर्घटना नहीं, बल्कि साजिश थी। अस्थाना ने कहा- सुप्रीम कोर्ट की बनाई एसआईटी और नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी आग को जानबूझकर लगाना बताया था।

साथ ही गुजरात पुलिस की जांच को सही पाया था। उन्होंने आरोप लगाया



कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव उन्हें इस केस में फंसाना चाहते थे। 27 फरवरी 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग लगने से 59 लोगों की मौत हुई थी। इनमें अयोध्या से लौट रहे कारसेवक भी शामिल थे। इसके बाद गुजरात में हिंसा हो गई थी। गुजरात पुलिस ने गोधरा कांड की जांच के लिए अस्थाना की अगुआई में एसआईटी गठित की थी।

अस्थाना बोले- लालू यादव मुझे फंसाना चाहते थे

2004 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में गोधरा अग्निकांड को हादसा बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कोच में रखे स्टोव के कारण आग लगी थी। अस्थाना के मुताबिक, बनर्जी कमेटी की रिपोर्ट को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने कमेटी बनाने को गैरकानूनी बताते हुए उसकी रिपोर्ट रद्द कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि जब मामले की जांच के लिए पहले से आयोग बना हुआ था, तो रेल मंत्रालय अलग से कमेटी नहीं बना सकता था। अस्थाना ने आरोप लगाया कि लालू यादव उन्हें गोधरा मामले में फंसाना चाहते थे।

मत्स्य पालन से समृद्ध हो रही सरगुजा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में अब खेतों और तालाबों के साथ आजीविका डबरियां, जलाशय और अमृत सरोवर भी किसानों तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का माध्यम बन रहे हैं। खेती और पशुपालन के साथ मत्स्य पालन को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आय के स्रोत बढ़ा रहे हैं। सरगुजा जिले में शासन की विभिन्न योजनाओं, मत्स्य पालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और स्थानीय जल संसाधनों के बेहतर उपयोग से आजीविका के नए अवसर विकसित हो रहे हैं। कहीं मछुआरा सहकारी समितियों के सैकड़ों सदस्य सामूहिक मत्स्य पालन से अपने परिवारों का भरण–पोषण कर रहे हैं, तो कहीं किसान डबरी में मछली पालन के साथ सब्जी उत्पादन और सिंचाई का लाभ उठा रहे हैं। वहीं स्व–सहायता समूहों की महिलाएं अमृत सरोवरों में मछली पालन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मिलने वाली अनुदान सहायता और विभागीय मार्गदर्शन से मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के अवसर बढ़ रहे हैं। सरगुजा जिले में पारंपरिक जलाशयों से लेकर आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक तक मत्स्य पालन के विविध स्वरूप सामने आ रहे हैं। इन प्रयासों की विशेषता यह है कि ग्रामीण परिवार उपलब्ध भूमि और जल संसाधनों का उपयोग एक से अधिक आजीविका गतिविधियों के लिए कर रहे हैं।

घुनघुट्टा जलाशय बना 381 मछुआरों की आजीविका का आधार

सरगुजा जिले का घुनघुट्टा जलाशय सामूहिक मत्स्य पालन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को आजीविका उपलब्ध कराने का उदाहरण है। यहां आदिवासी मछुआ सहकारी समिति, कलगसा के 381 सदस्य मत्स्य पालन से जुड़े हुए हैं। समिति को जलाशय 10 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे सदस्य संगठित रूप से मत्स्य उत्पादन की गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। जलाशय में मछली पालन से जुड़े कार्य इन परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बने हुए हैं।

समिति के अध्यक्ष श्री राम बिलोच राम बताते हैं कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछली बीज के लिए 7 लाख 62 हजार रुपये की अनुदान सहायता मिलती है। इस सहयोग से जलाशय में मत्स्य उत्पादन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। सहकारी समिति के माध्यम से सामूहिक प्रयासों का लाभ बड़ी संख्या में मछुआरा परिवारों तक पहुंच रहा है। घुनघुट्टा जलाशय का यह उदाहरण दर्शाता है कि उपलब्ध जल संसाधनों का योजनाबद्ध उपयोग और सहकारी व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर विकसित करने में सहायक हो सकती है।

चिंतन-मनन

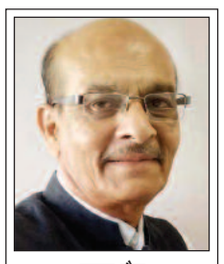
सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

फास्ट फूड और मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, डायबिटीज का बढ़ता खतरा



सनत जैन



भारत में डायबिटीज की बीमारी केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई है। बच्चों और युवाओं में भी तेजी से बढ़ते मधुमेह के मामले समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। कभी जिस उम्र में बच्चे खेल के मैदानों में दौड़ते-कूदते थे, आज उसी उम्र में वे मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम की दुनिया में घंटों व्यस्त रहते हैं। दूसरी ओर खानपान की बदलती आदतों ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। पिछले दो-तीन दशकों में भारतीय परिवारों की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। परिवारों में एक या दो बच्चे होने के कारण माता-पिता उनकी हर जिद पूरी करने की कोशिश करते हैं। बच्चों की जिद के सामने फास्ट फूड, पिज्जा, बर्गर, चाउमीन, फ्रेंच फ्राइज, पैकेज्ड स्नैक्स और मीठे पेय पदार्थ आसानी से उपलब्ध करा दिए जाते हैं। धीरे-धीरे यह भोजन बच्चों की पसंद ही नहीं, बल्कि उनकी रोजमर्रा की आदत बन जाता है। फास्ट फूड में अधिक मात्रा में नमक, चीनी, अस्वास्थ्यकर वसा और कैलोरी होती हैं। इनका नियमित सेवन मोटापा, इंसुलिन प्रतिरोध और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ रहा है। बच्चों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है।

बचपन में विकसित हुई गलत खानपान की आदत के कारण अब कम उम्र में ही शुगर की बीमारी देखने को मिल रही है। जो जीवनभर उनका पीछा नहीं छोड़ेगी। दूसरी बड़ी समस्या शारीरिक गतिविधियों का लगातार कम होना है। पहले बच्चे स्कूल से लौटने के बाद मैदानों में क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो और दूसरे खेल खेलते थे। आज उनका अधिकांश समय मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम में बीत रहा है। शारीरिक श्रम, पैदल चलना, साइकिल चलाना और व्यायाम जीवनशैली से गायब होते जा रहे हैं। मोबाइल फोन और फास्ट फूड दोनों बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षण और आदत का ऐसा चक्र बना रहे हैं, जिससे बाहर निकलना उनके लिए कठिन होता जा रहा है। मोबाइल नहीं मिलने पर बच्चों का चिड़चिड़ापन और आक्रामक व्यवहार भी अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। अनियंत्रित स्क्रीन का इस्तेमाल और अस्वास्थ्यकर खानपान के दुष्परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायबिटीज केवल खानपान और व्यायाम की कमी से ही नहीं होती। कभी-कभी इसके आनुवंशिक कारण, पारिवारिक इतिहास, नींद की कमी, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियां भी इसके जोखिम को प्रभावित करती हैं। टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में भी हो सकती है। जो खानपान या मोटापे से नहीं होती। इसलिए बीमारी के सभी स्वरूपों को समझना जरूरी है।

इंटरनेशनल डायबिटीज डे के इस अवसर पर यह संकल्प लेना होगा, कि बच्चों को केवल महंगे स्कूल, मोबाइल और आधुनिक सुविधाएं देना ही अभिभावकों की जिम्मेदारी नहीं है। उन्हें स्वस्थ शरीर और स्वस्थ जीवनशैली देना भी उतना ही आवश्यक है। घर में पौष्टिक भोजन, फल, सब्जियां और पारंपरिक खानपान को प्राथमिकता मिले। फास्ट फूड को रोजमर्रा के भोजन का हिस्सा बनाने से बचें। बच्चों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। स्कूलों में खेल के मैदान, शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। माता-पिता को भी बच्चों के साथ पैदल चलना, खेलना और व्यायाम करना चाहिए। जिससे बच्चों की भी आदत पड़ेगी। मां-बाप का भी स्वास्थ्य ठीक रहेगा। सवाल यह है कि हम अपने बच्चों को मोबाइल की दुनिया में व्यस्त रखकर उनका बचपन छीन रहे हैं, या उन्हें स्वस्थ भविष्य देने की तैयारी कर रहे हैं? डायबिटीज से बचाव की शुरुआत अस्पताल से नहीं, बल्कि घर की रसोई, भोजन की थाली और खेल के मैदान से होनी चाहिए। आज की छोटी-सी सावधानी आने वाली पीढ़ी को बड़ी बीमारी से बचा सकती है। उनका बेहतर करियर भी बना सकती है। शरीर स्वस्थ रहेगा तो बाकी सभी चीजें ठीक-ठाक रहेंगी।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (GSDP) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके। उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को 'बीमारु' राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम



उमेश चतुर्वेदी

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।



भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, [illegible], ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।

बाल दिवस पर चार मेधावी विद्यार्थियों को भेंट की साइकिल

बैंक आफ बड़ौदा की ज्वाइंट मैनेजर ने दिया सहयोग


आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को साइकिल देते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में बाल दिवस के अवसर पर चार मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना रहा।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बैंक आफ बड़ौदा दिल्ली में कार्यरत ज्वाइंट मैनेजर विनीता शंखवार की ओर से उपलब्ध कराई गई साइकिलें प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने विद्यार्थियों को प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए समाज के विभिन्न लोगों का सहयोग मिलना सराहनीय है। ऐसे प्रयास बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विद्यालय के शिक्षक संतोष सिंह नेगी ने बताया कि मूल रूप से कोटद्वार निवासी विनीता शंखवार सामाजिक कार्यों में लगातार योगदान देती रहती हैं। बाल दिवस से एक दिन पूर्व उनका जन्मदिन था। इसी अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। इससे पूर्व भी वह बच्चों को साइकिल वितरित कर चुकी हैं। साइकिल प्राप्त करने वालों में राजकीय बालिका इंटर कालेज लालपानी की कक्षा नौ की छात्रा प्रियांशी, राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार की कक्षा छः की पावनी भाटिया और त्रिवेंद्र तथा कक्षा आठ के आदित्य शामिल रहे। इस अवसर पर मनमोहन चौहान, पद्मेश बुडाकोटी, संजय रावत और जेपी भारद्वाज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला से मारपीट के दोषी को एक माह का कारावास

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बछड़ा खोने को लेकर हुए विवाद में बुजुर्ग महिला से मारपीट करने के आरोपी को न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी अकमल की अदालत ने दोषी करार देते हुए एक माह के साधारण कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियोजन के अनुसार 31 अगस्त 2025 को पैठाणी थाना क्षेत्र के टीला गांव निवासी बुजुर्ग समोद्रा देवी का बछड़ा खो गया था। इस संबंध में उन्होंने गांव के ही बादल सिंह से पूछताछ की थी। आरोप था कि इसी बात को लेकर बादल सिंह ने उनके साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने पर समुद्रा देवी की बेटी विमला देवी देहरादून से गांव पहुंची और एक सितंबर 2025 को पैठाणी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। अदालत ने दोषी करार देते हुए एक माह के साधारण कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही पीड़िता को पांच हजार रुपये प्रतिकर के रूप में देने के निर्देश दिए। अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरोपी को एक सप्ताह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य बनाने का लिया संकल्प


आयोजित कार्यक्रम में नशा मुक्ति की शपथ लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एकेश्वर विकासखंड के पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में नशामुक्त युवा फार विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों ने नशामुक्ति की शपथ लेकर बेहतर भविष्य निर्माण का संकल्प लिया। कार्यशाला में विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होने के साथ ही युवाओं का देश भी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु के युवाओं की है। ऐसे में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना और उन्हें स्वस्थ, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। यही उनके बेहतर भविष्य की नींव है। इस दौरान विद्यार्थियों ने नशामुक्ति की शपथ ली और पदयात्रा निकालकर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रमोद कुमार रमोला, सतीश चंद्र शाह, नीरज कुमार रमोला, प्रमोद रावत और संजय कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

राज्याभिषेक के साथ रामलीला मंचन सम्पन्न


मनियारस्यूं दिउसी रामलीला मंचन में समिति के पदाधिकारी अतिथियों का स्वागत करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम दिउसी में आयोजित सात दिवसीय रामलीला मंचन राम के राज्याभिषेक के साथ संपन्न हो गया है। इस दौरान रामलीला कमेटी द्वारा कलाकारों को सम्मानित कर स्मृति चिह्न व उपहार भेंट किए गए। साथ ही रामलीला मंचन में सहयोग करने वाले जिम्मेदार लोगों का आभार प्रकट किया गया।

रामलीला मंचन का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मुकेश कोली ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि रामलीलाएं हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं, जिसे नई पीढ़ी बखूबी आगे बढ़ा रही है। उन्होंने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रामलीला मंचन में कलाकारों की भूमिका के साथ-साथ दर्शकों का भी बहुत बड़ा योगदान है, जो मंच पर कलाकारों का हौसला अफजाई करते हैं। इस अवसर पर पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख अनिल नेगी, पूर्व प्रधान शिव प्रसाद कुकरेती, पूर्व प्रधान सुमित्रा देवी, ग्राम प्रधान ममता देवी, रामलीला समिति दिउसी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। संचालन घनानंद बागसी ने किया।

राज्य आंदोलनकारी महिलाओं का किया सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की ओर से श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राज्य महिला उद्यमिता परिषद की उपाध्यक्ष विनोद उनियाल ने उत्तराखंड राज्य स्थापना के उद्देश्यों, राज्य आंदोलन के संघर्ष तथा राज्य गठन के बाद विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्मेलन में जिला पौड़ी प्रभारी रेखा डंगवाल, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रमिला भंडारी ने कहा राज्य आंदोलन के दौरान महिलाओं ने अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। इस अवसर पर राज्य आंदोलन में योगदान देने वाली मुन्नी पांडे, निर्मला राणा, शकुंतला राणा, बबीता रावत एवं सुषमा रावत आदि को सम्मानित किया गया। (एजेंसी)

डॉ. विश्वकसेन शरण को महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति सम्मान

स्व. कांति प्रकाश आर्य की नौवीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में किया गया सम्मानित



डा. विश्वकसेन शरण राज दुदपुड़ी को सम्मानित करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विश्वम्भर दयाल मुनि विश्वकर्मा ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष स्व. कांति प्रकाश आर्य की नौवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कोटद्वार के साहित्यकार एवं कण्वाश्रम पर शोधकर्ता डा. विश्वकसेन शरण ह्यराजह्न दुदपुड़ी को महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

नजीबाबाद के मूसेपुर स्थित आर्य सुगंध संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष लक्ष्मी देवी ने की। इस मौके पर संस्थान की संचालिका कमलेश आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने संसार का उपकार करना आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य बताया था। इसमें शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति का भाव निहित है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद के अनुयायी आज भी उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा के कार्यों में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि समाज को बेहतर दिशा देने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। सकारात्मक सोच और सामूहिक प्रयासों से ही बेहतर समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री सुनीता बिष्ट, संपत्ति नेगी, धीरेंद्र सिंह नेगी, सुदीप बौंठियाल, राजेंद्र सिंह रावत, मुकेश चंद्र और प्रिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने किया।

संक्षिप्त समाचार

पाबौ में तेजी से चल रहा स्टेडियम निर्माण का कार्य

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड पाबौ और आसपास के क्षेत्र के युवाओं को जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस स्टेडियम की सौगात मिलेगी। ब्लॉक मुख्यालय में करीब तीन करोड़ की लागत से स्टेडियम निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक विकासखंड में युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है। पाबौ का मैदान लंबे समय से क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल गतिविधियों और सेना भर्ती की तैयारियों का प्रमुख केंद्र रहा है। मैदान की खराब स्थिति के चलते खिलाड़ियों और सेना में भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं को अभ्यास के लिए दूसरे मैदानों का रुख करना पड़ता था। अब आधुनिक स्टेडियम बनने से उन्हें स्थानीय स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। स्थानीय गुलाब बिष्ट ने बताया कि स्टेडियम तैयार होने के बाद युवाओं को बेहतर मंच मिलेगा। साथ ही उन्हें खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्राप्त होंगे। पूर्व ब्लॉक प्रमुख गेंदा लाल टम्टा और खिलाड़ी विवेक नेगी ने भी स्टेडियम निर्माण को क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

जौलजीवी मेले में स्थानीय विधायक को भाषण से रोकने की धीरेंद्र ने की आलोचना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : धारचूला के प्रसिद्ध जौलजीबी मेले की अध्यक्षता कर रहे स्थानीय विधायक हरीश धामी को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में भाषण करने से रोकने की कांग्रेस उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इस समारोह की जब हरीश धामी अध्यक्षता कर रहे थे और वे वहां के कई बार के चुने हुए लोकप्रिय विधायक हैं। मुख्यमंत्री द्वारा उनके भाषण को रोककर चुपचाप वहां से विदा हो जाना तमाम संसदीय मूल्यों की अवहेलना है।कांग्रेस उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने जहां भी मुख्यमंत्री जाते हैं और जो भी स्थानीय विधायक होता है यह नियम है कि वहां का विधायक उस कार्यक्रम को अवश्य संबोधित करता है। फिर हरीश धामी तो इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस निंदनीय कृत्य के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग करते हुए कहा है कि यह समस्त धारचूला की जनता का अपमान है,

बाल दिवस पर महंत इंदिरेश चरण दास को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड में शनिवार को बाल दिवस और संस्थान के प्रेरणास्रोत ब्रह्मलीन महंत इंदिरेश चरण दास का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही वार्षिक खेल सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या अनुसूया वर्मा ने महंत इंदिरेश चरण दास और पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने महंत इंदिरेश चरण दास के जीवन, त्याग और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। बताया कि उनका जन्म 14 नवंबर 1919 को पौड़ी गढ़वाल के खमाना गांव में हुआ था। स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद् के रूप में उन्होंने उत्तर भारत में 130 से अधिक शिक्षण संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, वार्षिक खेल सप्ताह के दूसरे दिन प्राइमरी वर्ग में सैक रेस और चेयर रेस प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सब-जूनियर वर्ग में रिले रेस, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, कबड्डी, खो-खो और


कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

स्किपिंग रोप प्रतियोगिताओं में विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक रोशन नेगी, पूनम बहुखंडी, संतोष पंत और बृजेंद्र नेगी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

श्रीनगर डिपो को चार नई बसें मिली, बेड़े में बसों की संख्या हुई 13

श्रीनगर गढ़वाल : रोडवेज डिपो श्रीनगर के बेड़े में चार नई 37 सीटर बसें शामिल हो गई हैं। शनिवार को चारों बसें डिपो पहुंच गईं। नई बसें शामिल होने के बाद डिपो के बेड़े में कुल 13 बसें हो गई हैं।इन बसों के संचालन से ऋषिकेश, हरिद्वार, देहरादून और कोटद्वार रूट पर यात्रियों को सुविधा मिलेगी। मुख्यालय से हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले दो से तीन दिन में बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। इनके संचालन के आदेश भी जारी हो चुके हैं। डिपो को वर्ष 2025 में छह नई बसें मिली थीं। इसके अलावा डिपो में वर्ष 2016 मॉडल की सात पुरानी बसें थीं। इनमें चार बसें बीएस-3 मॉडल की थीं, जबकि तीन बसें निर्धारित किलोमीटर पूरे कर चुकी थीं और नीलामी की प्रक्रिया में थीं। अब चार नई बसें मिलने के बाद पुरानी चार बसों को मुख्यालय वापस भेजा जाएगा। नई बसों को उन्हीं रूटों पर लगाया जाएगा, जहां से पुरानी बसें हटाई जाएंगी। रोडवेज श्रीनगर डिपो के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि मुख्यालय से 10 नई बसों की मांग की गई थी, लेकिन फिलहाल चार बसें ही मिल पाई हैं। उन्होंने कहा कि डिपो में अभी भी अतिरिक्त बसों की जरूरत है। यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा देने और संचालन व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए मुख्यालय से और बसों की मांग की गई है।

अस्पताल में मिलेगी ऑनलाइन भुगतान की सुविधा

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय संयुक्त उप जिला चिकित्सालय में मरीजों को जल्द ही पंजीकरण और विभिन्न जांचों का शुल्क ऑनलाइन जमा करने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए अस्पताल परिसर में बारकोड लगाए जाएंगे। मरीज मोबाइल से बारकोड स्कैन कर ओपीडी पंजीकरण, जांच और अन्य निर्धारित सरकारी शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। अभी तक अस्पताल में पंजीकरण और अन्य शुल्क नकद जमा करने की व्यवस्था है। ऐसे में कई बार खुले पैसे नहीं होने पर मरीजों और तीमारदारों को परेशानी उठानी पड़ती है। उप जिला चिकित्सालय के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रचित गर्ग ने बताया कि ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था को लेकर उच्चाधिकारियों से वार्ता हो चुकी है। जल्द ही अस्पताल परिसर में बारकोड लगाए जाएंगे।

डीएवी स्कूल में खेल प्रतियोगिताओं के साथ मनाया बाल दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डीएवी पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करने के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हरिश्चंद्र शास्त्री के प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने वायलिन वादन, गढ़वाली समूह गान और एकल नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। योग प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी शारीरिक क्षमता और अनुशासन का परिचय दिया। वहीं, बॉल ड्रिल, डंबल ड्रिल और पिरामिड प्रदर्शन ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। पीयूष प्रसाद ने शायरी प्रस्तुत कर कार्यक्रम में साहित्यिक रंग भरे। खेल प्रतियोगिताओं में नन्हें विद्यार्थियों के लिए क्लीनअप चैंप, रन एंड फ्रीज और लॉन्ड्री रेस आयोजित की गईं। कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों ने 50, 100 और 200 मीटर दौड़ के अलावा बैलून रेस, रैबिट रेस, बुक बैलेंसिंग, हेन रेस, ऑब्स्टेकल रेस, थ्री लेग्ड रेस, सैक रेस और लेमन एंड स्पून रेस में प्रतिभाग किया। वहीं, कक्षा नौ से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अंतरसदनीय प्रतियोगिताओं के तहत बालक एवं बालिका वर्ग में 200 मीटर, 400 मीटर और रिले दौड़ आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने खेल भावना और उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नितिन भाटिया, सीमा रावत, दिव्या नौटियाल सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

शरदोत्सव के तहत फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पालिका की ओर से आयोजित होने वाले शरदोत्सव के तहत विभिन्न वार्डों की फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। उद्घाटन मैच में वार्ड चार ने जीत दर्ज की। कंडोलिया मैदान में आयोजित प्रतियोगिता का पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केशर सिंह नेगी ने संयुक्त रूप का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच वार्ड चार और दो के बीच खेला गया, जिसमें शुरू से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए वार्ड चार ने वार्ड दो को 4-0 से पराजित कर एकतरफ जीत दर्ज की। रविवार को वार्ड एक, दो, तीन व छः के बीच मैच खेले जाएंगे। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख दीपक कुकशाल, ईओ संजय कुमार, सोबन सिंह नेगी आदि शामिल रहे।

बाल दिवस के रूप में मनाया पंडित नेहरू का जन्मदिवस



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अंतर्गत श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में शनिवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को नेहरू के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने पंडित नेहरू के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. गिरीश उनियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बच्चों को चाचा नेहरू के जीवन से जुड़ी बातें बताई। कहा कि बच्चों से वह बहुत प्यार करते थे। इसलिए उनके जन्म दिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानाचार्य ने कहा कि 14 नवंबर 1952 को महेंद्र इंद्रेश चरण दास जी ने श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन की स्थापना की। उन्होंने फाउंडर्स डे के बारे में भी छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए। कहा कि आज का छात्र कल का भावी नागरिक है, इसलिए शिक्षा एवं खेल के माध्यम से बच्चों को प्रगति की राह पर अग्रसर करते रहना चाहिए। इस मौके पर क्रीड़ा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गये। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गुलदार की दहशत बरकरार

श्रीनगर गढ़वाल : खंडाह, बछेली, तरुली, लगानू और अमधार क्षेत्र में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। बीते नौ नवंबर को तरुली में गुलदार के हमले में महिला की मौत के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

शनिवार को भी तरुली-अमधार क्षेत्र में पूर्वाह्न करीब 11 बजे मुकेश कोहली को गुलदार दिखाई दिया। दिन दहाड़े आबादी के नजदीक गुलदार की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत है। बछेली के ग्राम प्रधान कुलदीप गुसाईं ने बताया कि क्षेत्र में लगातार गुलदार दिखाई देने से ग्रामीण भयभीत हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अभिभावकों को स्वयं उन्हें स्कूल छोड़ने जाना पड़ रहा है। वहीं, प्रभागीय वनाधिकारी महातिम यादव ने बताया कि क्षेत्र में वन विभाग की टीम भेजी जा रही है। टीम गश्त करने के साथ ही गुलदार की गतिविधियों पर निगरानी रखेगी।

उत्तर रेलवे

(शुद्धि पत्र)

Tender Notice-SNT-AMC-STATCON-MEHDA-Siemen Date: 13.11.2026

विषयः—मुरादाबाद मंडल के संकेत एवम् दूरसंचार के टेंडर की निविदा के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः (1) इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या SNT-AMC-STATCON-MEHDA-Siemen dt.23.10.2026

उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एंड टी० शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा खोलने की तिथि में बदलाव किया गया है:

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	निविदा खोलने के लिए पुरानी तिथि और समय	निविदा खोलने के लिए नयी तिथि और समय
1	2	3	4
1	**10R-Statcon-SNT-Sig-MB202** कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड पॉवर सप्लाई आई पी एस ऑफ statcon मेक फॉर थ्री इयर्स ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	23.11.2026 15:00	25.11.2026 15:00 hrs.
2	**SNTRT3-AMC-Medha-EI-MB** कोम्प्रेहेंसिव मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम ऑफ मेधा मेक फॉर पीरियड ऑफ थ्री इयर्स ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	23.11.2026 15:00	25.11.2026 15:00 hrs.
3	**SNT-AMC-Siemens-MSDAC-MB** कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट फॉर मेसर्स सीमेंस मेक डिजिटल डिजिटल एक्सल काउंटर सिस्टम ओवर मुरादाबाद डिवीज़न फॉर थ्री इयर्स	23.11.2026 15:00	25.11.2026 15:00 hrs.

निविदा की अन्य नियम व शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। **नोटः**— निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **3984/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत (रु.)	अग्रिम धन (रु.)	निविदा फॉर्म की लागत (रु.)	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**SNT-SigLC-Interlocking-MB** इंटरलॉकिंग ऑफ एल सी गेट्स टी यू वी >20000 इन दा सेक्शन ऑफ एडीएसटी/मुरादाबाद ऑफ मुरादाबाद डिवीज़न	99231442.59	1984600.00	Nil	07.12.2026 15:00

नोटः निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **Tender Notice- 86-ST-UTS/PRS-Kmbh, LC-Interlocking-MB Date: 13.11.2026** **3985/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बाल दिवस पर राइंकॉ पुरियाडांग में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

छात्रों को बताएं कानूनी अधिकार, नशे को लेकर किया जागरूक



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडांग में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। शनिवार को बाल दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकों ने पंडित नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पितज कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर कुर्सी, रस्सा-कस्सी, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पीएलवी जगमोहन डांगी ने छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणाम, उसके बचाव के बारे में जानकारी दी। साथ ही छात्रों को कानूनी अधिकार एवं पुनर्वास के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। उन्होंने बाल अधिकार किशोर न्याय अधिनियम, पोक्सो अधिनियम एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, महिला हेल्पलाइन नम्बर 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 1930 के संबंध में विस्तार से बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुनियाल ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू बच्चों से विशेष लगाव रखते थे। बच्चों को उनके बताएं रास्तों पर चलना चाहिए, ताकि जीवन में सफलता हासिल कर सके। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता बालम सिंह राणा ने किया।

कर्णप्रयाग में कॅरिअर काउंसिलिंग, विधायक नौटियाल ने बांटी पुस्तकें

कर्णप्रयाग। पीएमश्री वीसी दरवान सिंह राजकीय इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं के लिए कॅरिअर काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित हुआ।

विधायक अनिल नौटियाल ने कर्णप्रयाग और गैरसैंण के विद्यालयों को विधायक निधि से पुस्तकें वितरित की। बहुभाषी लेखक धर्मसिंह फरस्वाण ने विद्यार्थियों को भाषाओं के महत्व और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने फ्रेंच, जर्मन, अंग्रेजी और हिंदी जैसी विदेशी भाषाओं से अंतरराष्ट्रीय कॅरिअर के अवसर बताए। फरस्वाण ने बेहतर अध्ययन पद्धतियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में पुस्तकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मोबाइल फोन से दूरी बनाकर पारंपरिक पुस्तकों से पढ़ने को प्रेरित किया। इस अवसर पर फरस्वाण ने विद्यालय के पुस्तकालय को अपनी पुस्तकें निशुल्क भेंट कीं।

गढ़वाल विवि के डॉ. भास्करन का इनसा विजिटिंग साइंटिस्ट कार्यक्रम के लिए चयन

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एक माह तक करेंगे शोध एवं अकादमिक कार्य



जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत डॉ. भास्करन का प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के विजिटिंग साइंटिस्ट कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए चयन हुआ है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एक माह तक विजिटिंग साइंटिस्ट के रूप में शैक्षणिक एवं शोध कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की ओर से 29 सितंबर 2026 को जारी चयन पत्र के अनुसार, डॉ. भास्करन को इस कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया है। कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार डॉ. भास्करन को 15 फरवरी 2027 तक अपना एक माह का भ्रमण एवं शोध कार्य पूर्ण करना होगा। भ्रमण की समाप्ति के बाद उन्हें शोध कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी को प्रस्तुत करनी होगी। डॉ. भास्करन का इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए चयन विश्वविद्यालय में संचालित शोध एवं अकादमिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे उन्हें देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में शोध अनुभव प्राप्त करने तथा अकादमिक सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। डॉ. भास्करन 16 नवंबर से जेएनयू में अपना कार्य प्रारम्भ करेंगे। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, वरिष्ठ प्रो. रसायन विभाग डी.एस नेगी समेत विभाग के समस्त प्रध्यापकों का मार्गदर्शन, सहयोग एवं निरन्तर प्रोत्साहन ने उन्हें अपने अकादमिक एवं शोध कार्यों में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की है।

धौंतरी से सिल्याण तक कीवी से संवर रही किसानों की आर्थिकी



उत्तरकाशी। जिले में कीवी की खेती किसानों की आजीविका का नया सहारा बन रही है। डुंडा ब्लॉक की गाजणा पट्टी के धौंतरी, ठांडी और कामद से लेकर जिला मुख्यालय के नजदीकी सिल्याण गांव तक किसान कीवी के बाग तैयार कर रहे हैं। उद्यान विभाग के अनुसार जिले में करीब 100 किसान 35 हेक्टेयर भूमि पर कीवी उगा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में क्षेत्र में उत्पादन करीब 100 मीट्रिक टन से अधिक पहुंचने का अनुमान है।

धौंतरी क्षेत्र में किसान हेवर्ड और एलिसन प्रजाति की कीवी उगा रहे हैं। धौंतरी के किसान अमित बहुगुणा ने बताया कि वह 2016–17 से इसकी खेती कर रहे हैं। पिछले पांच–छह वर्षों से उन्हें हर साल करीब 12 क्विंटल हेवर्ड की पैदावार मिल रही है। इस तरह सालान ढाई से तीन लाख रूपये कीवी से कमा रहे हैं।

वहीं जिला मुख्यालय के नजदीकी गांव सिल्याण के किसान गोविंद सिंह गुसाईं करीब 10 क्विंटल हेवर्ड कीवी का उत्पादन कर रहे हैं। वह इसे 250 रुपये प्रति किलो तक बेचते हैं। उद्यान विभाग ने धौंतरी में कीवी क्लस्टर बनाने की योजना तैयार की है। मुख्य उद्यान अधिकारी रजनीश सिंह के अनुसार कीवी मिशन के तहत जिले के सैकड़ों किसानों ने सहायता के लिए आवेदन किया है।

पीएमश्री जीआईसी मातली में छात्राओं को दिया कॅरिअर मार्गदर्शन

उत्तरकाशी। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज मातली में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत हमारा विद्यालय हमारी शान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों और विद्यालय के पूर्व छात्र रहे अतिथियों ने विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन देने के साथ ही उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पीजी कॉलेज रामनगर के डॉ. महेंद्र पाल परमार, डेंटल विशेषज्ञ एवं करियर गाइड डॉ. कनिका नौटियाल, एससीईआरटी के उपनिदेशक एवं युवा आइकन विनोद सिंह, समाजसेवी विपिन नौटियाल तथा मातली के पूर्व प्रधान चमन लाल ने छात्रा–छात्राओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सफाई कर्मी हटते ही गंगोत्री हाईवे पर लगे कूड़े के ढेर



उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा समाप्त होते ही गंगोत्री हाईवे के प्रमुख पड़ावों पर सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। मनेरी, नेताला समेत कई स्थानों पर सड़क किनारे कूड़े के ढेर लगे हैं।

जिला पंचायत ने भी सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की बात स्वीकार की है। विभाग के अनुसार, यात्रा सीजन समाप्त होने के बाद सफाई कर्मियों को हटा दिया गया है और अब नई टेंडर प्रक्रिया के बाद ही इन क्षेत्रों में दोबारा सफाई कर्मियों की तैनाती हो सकेगी।

दरअसल, यात्रा सीजन के दौरान जिला पंचायत की ओर से हाईवे के प्रमुख पड़ावों पर सफाई कर्मियों की तैनाती की गई थी। यात्रा समाप्त होने के बाद यह व्यवस्था बंद कर दी गई। इसका असर अब मनेरी, नेताला सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर दिखाई देने लगा है। सड़क किनारे जगह–जगह कचरा जमा होने से स्थानीय लोगों और पर्यटकों को परेशानी हो रही है।

जिला पंचायत की अपर मुख्य अधिकारी भावना ने बताया कि यात्रा सीजन में सफाई कर्मियों की तैनाती की गई थी, लेकिन यात्रा समाप्त होने के बाद उन्हें हटा दिया गया। नई टेंडर प्रक्रिया पूरी होने पर दोबारा सफाई कर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल कूड़ा हटाने के लिए जिला पंचायत के पास कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है।

एक नजर

अटल उत्कृष्ट जीआईसी नैनीसैंण में शिक्षकों की हुई व्यवस्था

कर्णप्रयाग। विकासखंड के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज नैनीसैंण में शिक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था शिक्षा विभाग ने कर दी है। इससे यहां अध्ययनरत बच्चों को राहत मिलेगी।सीबीएसई बोर्ड के तहत संचालित जीआईसी नैनीसैंण में रसायन विभाग, गणित और अंग्रेजी के प्रवक्ता सहित हाईस्कूल में गणित के सहायक अध्यापक का पद रिक्त था। ऐसे में यहां अभिभावक बीते सितंबर माह से आंदोलित थे। अभिभावकों का कहना है कि ग्रामीण परिवेश और सीबीएसई पाठ्यक्रम में बिना शिक्षकों को बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।साथ ही पीटीए अध्यक्ष राकेश नेगी शिक्षकों की मांग को लेकर बीते 28 सितंबर से नंगे पांव चलकर विरोध जता रहे हैं। इस विभाग ने बीते अक्तूबर माह में गणित विषय में हरिद्वार से अतिथि शिक्षक की तैनाती की। इसके बाद बीते 13 नवंबर को कर्णप्रयाग खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में तैनात अंजना पुरोहित और संकुल संसाधन समन्वयक सुमित प्रसाद खाली को 31 दिसंबर 2026 तक अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नैनीसैंण में पठन–पाठन व्यवस्था के लिए तैनात किया। जीआईसी नैनीसैंण के प्रधानाचार्य डॉ. जगदीश कंडवाल ने बताया कि अतिथि शिक्षक ने पूर्व तैनाती ले ली थी।

रंगोली में महर्षि विद्या मंदिर और एकल गायन में रोहित अव्वल

उत्तरकाशी। बाल दिवस के अवसर पर सौरभ फाउंडेशन की ओर से कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में जिला स्तरीय बाल प्रतिभा प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रतियोगिताओं में चित्रकला में वेदांत नौटियाल ने प्रथम, रुद्र ने द्वितीय और आकाश भट्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली में महर्षि विद्या मंदिर प्रथम, कीर्ति इंटर कॉलेज द्वितीय और एमडीएस तृतीय रहा। वाद–विवाद में अनुराधा और शौर्य की जोड़ी प्रथम, प्रतीक्षा और प्रिया द्वितीय व मयंक और आदित्य तृतीय रहे। एकल गायन में रोहित ने पहला, दिया रावत ने दूसरा और आदित्य ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।सामूहिक गायन में राधिका की टीम प्रथम, ऋषिका की टीम द्वितीय और आराधना की टीम तृतीय रही। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में भी बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

कर्णप्रयाग में जनजातीय गौरव सम्मान कार्यक्रम

कर्णप्रयाग। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को जनजातीय गौरव सम्मान कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को जनजातीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय आंदोलन में उनके योगदान के प्रति जागरूक करना था। मुख्य वक्ता दीप्ति बृजवाल ने जनजातीय समुदायों की पर्यावरण संवेदनशीलता, पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति संरक्षण में उनके महत्वपूर्ण स्थान पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने राष्ट्रीय आंदोलन में जनजातीय योगदान को रेखांकित किया और बिरसा मुंडा के संघर्ष को उचित सम्मान देने की बात कही। इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम चौहान ने उत्तराखंड की जनजातियों के राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

क्यार्क गांव में श्रीकृष्णलीला का समापन

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के क्यार्क गांव में सात दिवसीय श्रीकृष्णलीला का समापन भगवान कृष्ण के हाथों कंस वध और उनके नाना उग्रसेन के राजतिलक के साथ हुआ। इस दौरान गांव के आराध्य समेश्वर देवता की उपस्थिति में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। ग्रामीणों ने भगवान कृष्ण और समेश्वर देवता से गांव की सुख–समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय बहादुर ने ग्रामीणों से भगवान कृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की।

माता लक्ष्मी की सखी बन स्त्री वेश धारण करते हैं बदरीनाथ के मुख्य पुजारी



बदरीनाथ। बदरीनाथ मंदिर में कपाट बंद होने की प्रक्रिया के दौरान निभाई जाने वाली परंपराएं अपने आप में अनूठी हैं। इनमें मुख्य पुजारी (रावल) का स्त्री वेश धारण करना भी शामिल है। रावल माता लक्ष्मी की सखी का रूप धारण कर लक्ष्मी मंदिर से उनकी मूर्ति को बदरीनाथ मंदिर के गर्भगृह में विराजमान करते हैं। इसके बाद शीतकाल के छह माह तक माता लक्ष्मी भगवान बदरीविशाल के सानिध्य में रहती हैं।

बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने से पहले पांच दिनों तक पंच पूजाएं आयोजित होती हैं। इन्हीं पूजाओं के अंतिम दिन मंदिर के कपाट बंद होने से ठीक पहले बदरीनाथ के मुख्य पुजारी स्त्री वेश धारण करेंगे। बदरीनाथ के पूर्व धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल बताते हैं कि मुख्य पुजारी के स्त्री वेश धारण करने के पीछे धार्मिक मान्यता है कि कोई पर पुरुष माता लक्ष्मी को स्पर्श नहीं कर सकता है। इसके लिए मुख्य पुजारी लक्ष्मी माता की सखी का रूप धारण कर माता लक्ष्मी के विग्रह को गर्भगृह में विराजमान करते हैं। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ मंदिर की परंपराएं अनेकता में एकता का संदेश देती हैं।

बदरीनाथ मंदिर में निभाई जाती है जेठ–बहू की परंपरा

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम में धार्मिक मान्यताओं के साथ ही लोक परंपराओं का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। मंदिर में जेठ–बहू के रिश्ते की मर्यादा से जुड़ी एक अनूठी परंपरा निभाई जाती है। बदरीनाथ के वेदपाठी डॉ. रविंद्र भट्ट बताते हैं कि मान्यता है कि भगवान बदरीनाथ के बाल सखा उद्धव उम्र में उनसे बड़े हैं और उन्हें भगवान का बड़ा भाई माना जाता है। इसी नाते माता लक्ष्मी और उद्धव के बीच जेठ–बहू का संबंध माना गया है।

न्याय यात्रा के संयोजक प्रीतम ने भाजपा पर साधा निशाना



नौगांव (उत्तरकाशी)। प्रदेश में कांग्रेस की ओर से निकाली जा रही न्याय यात्रा के तहत नौगांव में जनसभा आयोजित की गई। इसमें यात्रा के संयोजक प्रीतम चौहान ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं में दिखाई दे रहा उत्साह आगामी चुनाव में सत्ता परिवर्तन का संकेत है।नौगांव बाजार में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रीतम चौहान ने अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा उठाकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में कथित रूप से संलिप्त व्यक्ति को राज्यपाल बनाकर केंद्र सरकार ने उसे राजनीतिक संरक्षण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि न्याय यात्रा के माध्यम से कांग्रेस इस मामले से जुड़े सवालों को जनता के बीच उठा रही है और न्याय की मांग कर रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी हमला बोला।उन्होंने कहा कि सरकार के दो मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इनमें एक मामले में कैबिनेट मंत्री ने ही आरोप लगाए हैं जबकि दूसरे मामले में न्यायालय की टिप्पणी सामने आई है। इसके बावजूद सरकार आरोपों से घिरे लोगों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लगातार आवाज उठाती रहेगी।

परिवहन विभाग ने 12 वाहनों का किया चालान



कर्णप्रयाग। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत परिवहन विभाग ने शनिवार को कर्णप्रयाग, चटवापीपल, गौचर, कमेड़ा, लंगासू, सोनला और नंदप्रयाग में वाहनों की चेकिंग की। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आनंद जायसवाल ने बताया कि वाहनों के ओवरलोडिंग, ओवरस्पीड, दोपहिया वाहनों में ट्रिपल राइडिंग करने, प्रेशर हॉर्न का अनधिकृत प्रयोग करने, परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं होने, चालकों के सीट बेल्ट, हेलमेट नहीं पहनने पर 12 चालान किए गए हैं। तथा यातायात के नियमों की अवहेलना करने पर इनसे 15 हजार रुपये का अर्थदंड लिया गया है।

एयरपोर्ट पर वायुसेना का बड़ा अभ्यास शुरू



चिन्यालीसौड़। चीन सीमा के नजदीक स्थित सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायुसेना का नॉर्थ इंडिया हिल्स अभ्यास चल रहा है। 12 नवंबर से शुरू हुआ यह अभ्यास 21 तक जारी रहेगा। अभ्यास के दौरान 17 नवंबर को पैरा कमांडो जवानों की लैंडिंग प्रस्तावित है। इसके लिए वायुसेना के अधिकारी तैयारियों और आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डा आपातकालीन परिस्थितियों, सैन्य अभियानों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों के लिए बेहद उपयोगी माना जाता है। चीन सीमा से नजदीकी के चलते भी इस हवाई अड्डे का रणनीतिक महत्व बढ़ जाता है। यही वजह है कि सेना और वायुसेना यहां समय–समय पर अभ्यास कर अपनी परिचालन तैयारियों का जायजा लेती रहती हैं।

वायुसेना के आगरा और बरेली एयरबेस से विमानों के संचालन की योजना है, लेकिन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां भारी विमानों की लैंडिंग और संचालन में बाधा बन रही हैं। इसके बावजूद अभ्यास से जुड़ी अन्य तैयारियां जारी हैं। इधर, अभ्यास को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए वायुसेना ने जिला प्रशासन से सहयोग मांगा है।

बेस अस्पताल संघर्ष समिति ने किया प्रदर्शन



कर्णप्रयाग। सिमली महिला अस्पताल के उच्चीकरण करने और मेडिकल कॉलेज का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर बेस अस्पताल संघर्ष समिति के नेतृत्व में लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान गौचर कूच करते हुए तलधारी के पास प्रदर्शनकारियों को रोका गया। हालांकि कुछ को सीएम से वार्ता के लिए भेजा गया लेकिन वार्ता नहीं होने से नाराज लोगों ने पहले विधायक आवास के बाहर धरना दिया। बाद में मेला मंच तक नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

सिमली में बेस अस्पताल की मांग को लेकर बीते 22 दिनों से धरना चल रहा है। समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि वार्ता के नाम पर पहले ग्रेफ गेस्ट हाउस और बाद में हवाई पट्टी पर बुलाया गया लेकिन वार्ता नहीं हुई। इससे नाराज लोगों ने विधायक आवास के बाहर धरना दिया। बाद में रैली निकालकर मेला मंच तक पहुंच गए। बाद में एसडीएम अलकेश नौडियाल मामला संभाला और पंडाल के बाहर समिति के पदाधिकारियों से वार्ता की।

मनेरी के 150 नौनिहालों को रावत परिवार ने बांटे गर्म कोट

उत्तरकाशी। राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनेरी में रावत परिवार की ओर से विद्यालय के 150 छात्र–छात्राओं को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कोट वितरित किए गए। विशाल रावत, अमित रावत, अंकित रावत, आशुतोष रावत और परिवार के अन्य सदस्यों ने बच्चों को कोट भेंट कर सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की। इस पहल पर विद्यालय परिवार ने रावत परिवार का आभार जताया। प्रभारी प्रधानाध्यापक भगीरथ सेमवाल ने कहा कि इस तरह के सहयोग से बच्चों का उत्साह बढ़ता है और समाज में शिक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है।

समिति के हवाले सिमली अस्पताल का भविष्य

कर्णप्रयाग। सिमली में तैयार करोड़ का भवन और संचालित महिला बेस अथवा उपजिला चिकित्सालय का भविष्य अब गठित होने वाली समिति के निर्णय पर आकर टिक गया है। ऐसे में यहां अस्पताल चलेगा या मेडिकल कॉलेज बनेगा अथवा कुछ और बनाए जाने के यहां प्रयास होंगे यह समिति बनने से लेकर आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जारी होने वाली आचार संहिता पर पूरी तरह निर्भर करेगा।

वर्ष 2012 में बेस अस्पताल की घोषणा के बाद वर्ष 2016 में सिमली में महिला बेस अस्पताल का भूमि पूजन और शिलान्यास हुआ। तब यहां 48 बेड का अस्पताल भवन बनना शुरू हुआ। आज यहां करीब 100 बेड का पूरा अस्पताल है लेकिन आईपीएचएस के मानक लागू होने के बाद यहां महिला बेस के साथ ही उप जिला चिकित्सालय के रूप में संचालन किया जा रहा है।

तब से इसे पूर्ण बेस बनाने के लिए समिति आंदोलन कर रही है। इस पर वर्ष 2024 में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पूर्ण बेस का दर्जा दिए जाने की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा- उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।



वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गईं। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुई क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचारः फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।

कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी



जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।



प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

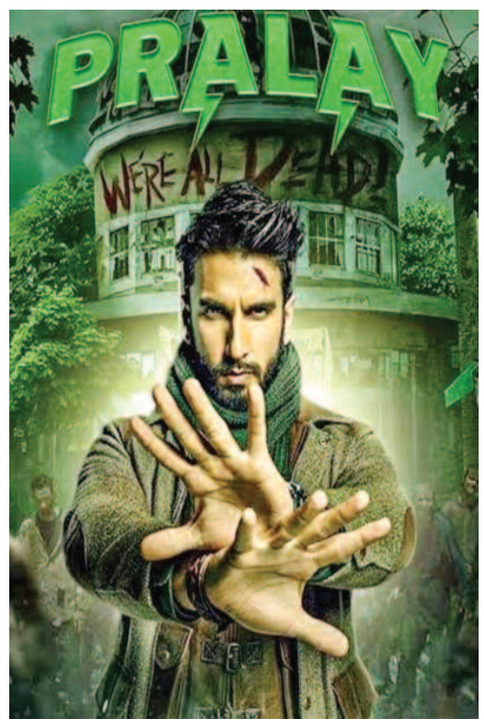
मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (ठ्नक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।





फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोडयूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।



आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 – उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।

अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'



शहीद स्थल के निर्माण को लेकर पूर्व सैनिकों में दो फाड़

विकासनगर। विकासनगर में पोस्ट ऑफिस के पीछे निर्माणाधीन शहीद स्थल को लेकर पूर्व सैनिकों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। गत दिवस अधूरे निर्माण कार्य के बीच लोकार्पण कराए जाने की तैयारी और कार्यक्रम में देरी से नाराज समस्त पीबीओआर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन पछवादून के सदस्यों ने लोकार्पण कार्यक्रम का सामूहिक बहिष्कार किया था। पूर्व सैनिकों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, अवधि और स्थल पर लगाए गए 17.89 लाख रुपये के कार्य संबंधी बोर्ड पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की थी। एसोसिएशन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पूर्व सैनिकों को लोकार्पण कार्यक्रम के लिए सुबह 11 बजे का समय दिया गया था, लेकिन 11:30 बजे तक कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ। वहीं, करीब 30 महीने से निर्माण कार्य जारी होने के बावजूद शहीद स्थल का काम पूरा नहीं होने पर पूर्व सैनिकों ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि जब निर्माण कार्य अधूरा है तो लोकार्पण की जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है?

पूर्व सैनिकों ने सवाल उठाया था कि जब किसी भवन का निर्माण पूरा होने से पहले उसका उपयोग



शुरू नहीं किया जाता, तो फिर शहीद स्थल के अधूरे निर्माण के बीच लोकार्पण क्यों कराया जा रहा है? उन्होंने निर्माण कार्य में खर्च हुई धनराशि और कार्य की स्थिति की जांच कराने की मांग भी उठाई थी। इन परिस्थितियों के चलते पूर्व सैनिकों ने सर्वसम्मति से सुबह 11:35 बजे लोकार्पण कार्यक्रम का बहिष्कार करने का निर्णय लिया था।

शाम को बदला नजर आया माहौल, विधायक के समर्थन में लगे नारे

वहीं, गत दिवस शाम के समय कुछ पूर्व सैनिक एकत्रित हुए। इस दौरान उन्होंने शहीद स्थल के निर्माण कार्य को लेकर अपनी बात रखते हुए विधायक विकासनगर मुन्ना सिंह चौहान द्वारा कराए गए कार्य की सराहना की। उन्होंने शहीद स्थल के निर्माण कार्य को अच्छा बताते हुए विधायक के समर्थन में नारेबाजी भी की। दिन में निर्माण कार्य को लेकर विरोध और बहिष्कार के बाद शाम को सामने आए इस बदले रुख ने पूरे मामले को चर्चा का विषय बना दिया।

संगठन की एकजुटता पर भूपेंद्र डोगरा का बयान

इस पूरे घटनाक्रम के बीच समस्त पीबीओआर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन पछवादून के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह डोगरा ने संगठन की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि संगठन को तोड़ने और कमजोर करने की कोशिश करने वालों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती आपसी एकता, अनुशासन और समर्पण से बनी रहती है। संगठन के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि इस घटनाक्रम में एक ओर पूर्व सैनिकों ने शहीद स्थल के अधूरे निर्माण और खर्च से जुड़े सवाल उठाकर जांच की मांग की, वहीं दूसरी ओर कुछ पूर्व सैनिकों ने विधायक के कार्यों की सराहना करते हुए समर्थन जताया। अब देखना होगा कि निर्माण कार्य को लेकर उठाए गए सवालों पर संबंधित विभाग और प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं।

मेडिकल कॉलेज बनेगा या नहीं स्थिति स्पष्ट करें विधायक : भट्ट

नई टिहरी। टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट और राहुल बुटोला शनिवार को तीसरे दिन भी भूख हड़ताल पर डटे रहे। तीन दिन से भूख हड़ताल पर बैठे आंदोलनकारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए डॉक्टरों की टीम नहीं पहुंचने पर उन्होंने शासन–प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई।

बौराड़ी के गणेश चौक में संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले लंबे समय से धरना–प्रदर्शन किया जा रहा है। मांग के समर्थन में 12 नवंबर से जीतराम भट्ट और राहुल बुटोला भूख हड़ताल पर बैठे हैं। धरना स्थल पर आयोजित बैठक में अनशनकारी भट्ट ने कहा कि टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर क्षेत्रीय विधायक को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

धरने पर नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल, कमल सिंह मेहर, त्रिलोक चंद रमोला, टीकम सिंह चौहान, डॉ. यूएस नेगी, सोहन सिंह राणा, किशोरी लाल चमोली, नरोत्तमदत्त जखमोला, महावीर उनियाल, एसएस मखलोगा, विजय नेगी, भगवान देई तोपवाल आदि बैठी रही। दूसरी ओर, विधायक किशोर उपाध्याय का कहना है कि बीते दिनों मेडिकल कालेज के मामले में भाजपा जिला अध्यक्ष उदय रावत के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से विचार–विमर्श हुआ।

ऋषिकेश के मुनि की रेती में स्कूली बच्चों से भरी बस पलटी



ऋषिकेश। उत्तराखंड के मुनि की रेती क्षेत्र में घूमने आए स्कूली बच्चों की बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार, फिरोजाबाद से स्कूली बच्चों का एक ग्रुप ऋषिकेश घूमने आया था। इसी दौरान बच्चों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन बच्चे घायल हो गए।

बस पलटते ही घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायल बच्चों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल बस में सवार कुल बच्चों की संख्या और हादसा किन कारणों से हुआ, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

छठ पूजा के लिए कई मार्गों पर ई–रिक्शा और ऑटो प्रतिबंधित

ऋषिकेश। छठ पूजा पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस ने रविवार के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। दोपहर दो बजे से शहर के प्रमुख बाजारों और मार्गों पर ई–रिक्शा व ऑटो के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। यातायात प्रभारी रविकांत ने बताया की घाट रोड, जयराम आश्रम रोड, मुखर्जी मार्ग, क्षेत्र रोड, गोल मार्केट मार्ग और लाजपत राय रोड पर ई–रिक्शा व ऑटो का संचालन नही होगा। वही, दोपहिया वाहनों के लिए जयराम आश्रम टैक्सी स्टैंड और चारपहिया वाहनों के लिए चंद्रभागा नदी पार्किंग में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा भारी वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मुनिकीरेती और तपोवन की ओर जाने वाले वाहनों को श्यामपुर चौकी से इंद्रमणि बडोनी चौक होते हुए ढालवाला की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक हरीश धामी ने मंच से सरकार पर बोला तीखा हमला

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के ऐतिहासिक जौलजीबी मेले के उद्घाटन समारोह में शनिवार को उस समय राजनीतिक माहौल गरमा गया, जब धारचूला से कांग्रेस विधायक हरीश धामी ने मंच से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रशासन के खिलाफ तीखे तेवर दिखाए। कार्यक्रम के दौरान माइक बंद किए जाने और मंच पर जनप्रतिनिधियों को उचित स्थान नहीं दिए जाने को लेकर विधायक ने नाराजगी जताई। इसके बाद समारोह में जमकर राजनीतिक गहमागहमी देखने को मिली।मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विधायक हरीश धामी मंच से संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान माइक बंद किए जाने को लेकर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों को उचित सम्मान और मंच पर स्थान नहीं दिया जा रहा है।विधायक ने अपने



संबोधन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने क्षेत्र में वर्ष 2022 के दौरान की गई घोषणाओं के पूरा नहीं होने का मुद्दा उठाया और स्थानीय समस्याओं के समाधान में सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े किए। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल से रवाना होने के बाद भी विधायक का विरोध जारी रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कई तीखी टिप्पणियां कीं। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी सरकार के विरोध में नारेबाजी की।जौलजीबी मेले जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजन में हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम ने सीमांत क्षेत्र की राजनीति को गरमा दिया है। कार्यक्रम में उठे सवालों के बीच अब राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाओं और प्रशासन के रुख पर नजर रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

चार साल बाद भी अधर में गुप्तकाशी उप जिला चिकित्सालय की घोषणा

गुप्तकाशी। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित गुप्तकाशी केदारघाटी का प्रमुख व्यापारिक, सामाजिक व सांस्कृतिक केंद्र है। केदारनाथ धाम में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु इस मार्ग से होकर बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए गुप्तकाशी पर निर्भर हैं। फिर भी स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से क्षेत्र अपेक्षित सुविधाओं से वंचित है।यहां उच्च सुविधाओं वाले चिकित्सालय की स्थापना के लिए वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री की ओर से गुप्तकाशी में उप जिला चिकित्सालय खोलने की घोषणा की गई थी। सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश गोस्वामी बताते हैं कि नगर पंचायत के अन्तर्गत गढ़तरा में भूमि चिह्नित हुई थी। स्थानीय स्तर पर इस दिशा में प्रयास और औपचारिकताएं पूरी की गई थी। पर अब ग्राम पंचायत ल्वारा में उप जिला चिकित्सालय बनना है जिस पर कार्य लंबित है। केदार काशी संघर्ष समिति अध्यक्ष मदन सिंह रावत बताते हैं कि गुप्तकाशी में स्वास्थ्य विभाग के पास चौदह नाली से अधिक भूमि उपलब्ध है यहीं पर उच्च सुविधाओं से युक्त चिकित्सालय बनाया जा सकता है इस विषय में मुख्यमंत्री को समिति ने पत्र दिया है ।

मंदाकिनी शरदोत्सव में मैदान के समतलीकरण पर उठे सवाल

अगस्त्यमुनि। पांच दिवसीय मंदाकिनी शरदोत्सव एवं कृषि औद्योगिक विकास मेले का सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। समारोह में अगस्त्यमुनि के खेल मैदान के संरक्षण और समतलीकरण का मुद्दा प्रमुखता से उठा।वहीं, लंबे समय से नाराज चल रहे नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोस्वामी और कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी भी चर्चा में रही। मेले की सांस्कृतिक संध्या में लोकगायक सौरभ मैठाणी ने "मैं पहाड़ों को रैबासी तू दिल्ली रौंण वाली... समेत कई गीतों की प्रस्तुति दी।मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मनोज रावत ने कहा कि अगस्त्यमुनि की पहचान मेले और खेल मैदान से है इसलिए दोनों का संरक्षण जरूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन चौहान ने मैदान के समतलीकरण की मांग उठाई।

जनजातीय समाज का स्वतंत्रता आंदोलन में अतुलनीय योगदान

नरेंद्रनगर(टिहरी)। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में जनजातीय गौरव दिवस पर जागरुकता और विचार–विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान, सांस्कृतिक विरासत, उनके सामाजिक और आर्थिक विकास की जानकारी दी गई।प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि भारत के विकास में जनजातीय समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के अनेक वीर नायकों एवं नेतृत्वकर्ताओं ने अद्वितीय योगदान दिया, जिसे सदैव स्मरण किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. ईरा सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी, उनके संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक चेतना और विस्तृत जानकारी दी।

विपरीत परिस्थितियों में जीना सिखाती है पांडव लीला : नेगी

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर ब्लॉक में ओण पट्टी के ग्राम पंचायत मांजफ में आयोजित पांडव लीला के पांचवें दिन भीम, अर्जुन, द्रोपदी और कृष्ण जन्मोत्सव का मंचन किया गया। इस दौरान पांडवों के जीवन से जुड़े कई मार्मिक प्रसंगों का भी मंचन किया गया। ओण पट्टी के मांजफ में चल रही पांडव लीला में शामिल हुए प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि प्रतापनगर की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत मांजफ में पांडव लीला केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांव की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनी हुई है। प्रधान गंभीर महर ने कहा कि मांजफ में सदियों से चली आ रही पांडव लीला की परंपरा को सामूहिक सहभागिता से निभाया जा रहा है।

छठ पूजा को लेकर देहरादून पुलिस का ट्रैफिक प्लान जारी

देहरादून। छठ पूजा के मद्देनजर देहरादून पुलिस ने 15 और 16 नवंबर 2026 के लिए विशेष यातायात एवं डायवर्जन प्लान जारी किया है। नंदा की चौकी, प्रेमनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस ने रूट डायवर्जन और पार्किंग की व्यवस्था निर्धारित की है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और अनावश्यक रूप से निजी वाहनों का प्रयोग न करें।

इन मार्गों पर रहेगा डायवर्जन

देहरादून से सहसपुर/विकासनगर जाने वाले वाहनः प्रेमनगर से न्यू एक्सप्रेस–वे होते हुए सिंघनीवाला मार्ग से अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। देहरादून से नंदा की चौकी छठ पूजा स्थल जाने वाले श्रद्धालुः रांघड़वाला तिराहा से प्रेमनगर चौक होते हुए नंदा की चौकी पहुंचेंगे। भाऊवाला से प्रेमनगर जाने वाले वाहनः सुद्धोवाला चौक, बालाजी धाम कट और ठाकुरपुर रोड होते हुए प्रेमनगर पहुंचेंगे। बिधोली से प्रेमनगर जाने वाले वाहनः नंदा की चौकी, सुद्धोवाला चौक, बालाजी धाम कट और ठाकुरपुर रोड से होकर जाएंगे।

प्रेमनगर से झाझरा, सुद्धोवाला और बिधोली



जाने वाले वाहनः ठाकुरपुर रूट और बालाजी धाम के रास्ते भेजे जाएंगे।

धूलकोट तिराहे से भारी वाहनः सिंघनीवाला की ओर डायवर्ट किए जाएंगे, जहां से वाहन बड़ोंवाला होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

पुलिस के अनुसार, नंदा की चौकी और प्रेमनगर क्षेत्र में यातायात का दबाव बढ़ने पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार ट्रैफिक प्लान में बदलाव भी किया जा सकता है।

यहां होगी वाहनों की पार्किंग

छठ पूजा में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए पांच पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं।

सुभारती कॉलेज पार्किंग।

उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के पास घाट।

नंदा की चौकी पेट्रोल पंप के पास।

आसन नदी का तट।

चंद्रबनी हॉट बाजार ग्राउंड।

मालदेवता रोड नदी क्षेत्र का खाली मैदान।

नो पार्किंग में वाहन खड़ा करने पर 1500 रुपये जुर्माना

देहरादून पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने पर ट्रैफिक क्रेन से वाहन टो किया जाएगा, जिसके लिए 1500 रुपये जुर्माना निर्धारित है। सार्वजनिक मार्गों, तिराहों और चौराहों पर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी। वाहनों की निगरानी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से भी की जाएगी।

तीन दिनों में 6,611 सस्ता हुआ सोना



देहरादून । देश में सोने की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। बीते तीन दिनों में सोना 6,611 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया है। कीमतों में गिरावट के बाद सोना सात महीने बाद 1.36 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे आ गया है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, आज 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,883 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। इसके साथ ही सोने का भाव घटकर 1,35,809 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि एक दिन पहले इसकी कीमत करीब 1.38 लाख रुपये थी। इससे पहले 23 मार्च 2026 को सोने की कीमत 1,35,141 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। मौजूदा गिरावट के बाद सोने की कीमत एक बार फिर इसी स्तर के करीब पहुंच गई है। सोने की कीमतों में आई इस गिरावट से उन लोगों को राहत मिल सकती है, जो शादी–विवाह और अन्य जरूरतों के लिए सोने की खरीदारी करने की योजना बना रहे हैं।

वैदिक ब्राह्मण महासभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

ऋषिकेश। वैदिक ब्राह्मण महासभा ऋषिकेश के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को श्री भरत मंदिर के महंत अशोक प्रपन्न सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में संतों, विद्वानों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ जगतगुरु कृष्णाचार्य महाराज, पूर्व प्राचार्य वेदाचार्य मायाराम रतूड़ी, सुरकंडा मंदिर के मुख्य पुजारी रमेश लेखवार और चुनाव संचालन समिति के संयोजक आचार्य ललित त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद चुनाव संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य आचार्य जितेंद्र भट्ट ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। आचार्य राकेश बहुगुणा ने अध्यक्ष, महेश चमोली और शिवस्वरूप नौटियाल ने उपाध्यक्ष, शिव प्रसाद सेमवाल ने महामंत्री, जगदीश जोशी ने उपमंत्री, हर्षमणि नौटियाल ने कोषाध्यक्ष, सुरेश चंद्र पंत ने प्रवक्ता और मुकेश थपलियाल ने प्रचार मंत्री पद की शपथ ली। वहीं केशव बहुगुणा ने संगठन मंत्री और देवेंद्र उनियाल ने सहसंगठन मंत्री का दायित्व संभाला। नवनिर्वाचित अध्यक्ष आचार्य राकेश बहुगुणा ने कहा कि वह पूरी निष्ठा और मनोयोग से महासभा के कार्यों का निर्वहन करेंगे। समारोह में डॉ. जनार्दन कैरवान, महासभा के पूर्व अध्यक्ष गंगाराम व्यास, नवीन भट्ट, डॉ. गिरीश पांडेय, आचार्य विकास कोठारी, शैलेंद्र मिश्रा, महंत रवि प्रपन्नाचार्य सहित बड़ी कई विद्वान एवं आचार्य उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

नई टिहरी। प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस ने शनिवार को बौराड़ी स्थित सामुदायिक मिलन केंद्र में हस्ताक्षर अभियान चलाया। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व, कांग्रेस के जिला प्रभारी वीरेंद्र पोखरियाल के संयोजन, जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल की मौजूदगी में आयोजित अभियान में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर लोगों से हस्ताक्षर कराए गए।

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को श्रद्धांजलि देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कांग्रेस के जिला प्रभारी पोखरियाल ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता में आक्रोश है। उन्होंने बताया पार्टी की ओर से प्रदेशभर में 18 नवंबर तक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत एकत्रित दस्तावेज 23 नवंबर को राज्यपाल को सौंपे जाएंगे। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री राकेश राणा, टिहरी विधानसभा प्रभारी देवेंद्र पाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, जिला पंचायत सदस्य विजय पाल रावत मौजूद रहे।

शादी से 20 दिन पहले बुझ गया घर का इकलौता चिराग

जोशीमठ। उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में तैनात भारतीय सेना के 26 वर्षीय जवान अक्षय कुमार के असामयिक निधन की दुखद खबर से हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। जवान की शादी आगामी 3 दिसंबर को होनी तय थी। घर में विवाह की तैयारियां जोरों पर थीं, लेकिन शादी से करीब 20 दिन पहले आई इस दुखद खबर ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। अक्षय कुमार हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के भोरंज उपमंडल के स्थानी गांव के निवासी थे। वह अपने माता–पिता की इकलौती संतान थे। जिस घर में कुछ दिनों बाद शादी के मंगलगीत गूंजने वाले थे, वहां अब मातम पसरा हुआ है।



वर्ष 2020 में सेना में हुए थे भर्ती

जानकारी के अनुसार, अक्षय कुमार 16 दिसंबर 2020 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे और देश सेवा में तैनात थे। उनके पिता राज कुमार व्यवसाय करते हैं, जबकि मां सरोज कुमारी गृहिणी हैं। बेटे के निधन की खबर से माता–पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं

परिजनों से मिली शुरुआती जानकारी में हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है, हालांकि जवान की मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पैतृक गांव पहुंचाई जाएगी पार्थिव देह

नंधन पंचायत के प्रधान रवि कुमार ने जवान के निधन की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि अक्षय कुमार की पार्थिव देह को उनके पैतृक गांव पहुंचाने में एक से दो दिन का समय लग सकता है।

रुद्रप्रयाग में सड़कों पर गड्ढे, मरम्मत के कुछ दिन बाद फिर बिगड़ रही हालत

रुद्रप्रयाग। राज्य में गड्ढा मुक्त सड़क अभियान के दावों के बीच जनपद में सड़कों की बदहाल स्थिति सामने आ रही है। जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार में डाट पुलिया के समीप नेशनल हाईवे गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है। विभाग की ओर से बार–बार मरम्मत किए जाने के बावजूद कुछ ही दिनों में सड़क की हालत फिर बिगड़ रही है। ऐसे में मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार में सड़क पर जगह–जगह बने गहरे गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।इस पर जिला कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र बिष्ट ने कहा कि सरकार जनपद की सड़कों को गड्ढा मुक्त नहीं



कर पा रही है। उन्होंने कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि मंत्री दिन–रात इन्हीं सड़कों से गुजरते हैं इसके बावजूद सड़कों पर गड्ढे जस के तस बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि गड्ढे भरने का मरम्मत कार्य होता है लेकिन घटिया सामग्री के कारण काम ज्यादा दिन तक टिक नहीं पाता।

कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह रावत ने मरम्मत कार्यों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि गड्ढा मुक्त अभियान के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क की मरम्मत के कुछ ही दिनों बाद दोबारा गड्ढे बनना कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है।

गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश। कोतवाली पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूर्व में गिरफ्तार किए गए नौरंगी लाल से गांजा मंगाया था।

जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी रामअवतार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में पहले से नौ प्राथमिकी दर्ज हैं।

बीते 24 जुलाई को आईडीपीएल चौकी पुलिस ने गोल चक्कर के पास चेकिंग के दौरान बादक सवार नौरंगी लाल निवासी ग्राम नगला भम्बू जाट, सासनी, हाथरस, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से तीन किलो 95 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ था। इस मामले में कोतवाली में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपित से पूछताछ की और उसके मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड समेत अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सैंडपेपर विवाद

वसीम अकरम बोले- निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।

विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी। अकरम के मुताबिक, गेंद की स्थिति में इस तरह का बदलाव अनुभवी गेंदबाजों की नजर से छिपना मुश्किल है।



एक गेंदबाज के तौर पर मुझे तुरंत पता चल जाएगा कि कुछ गड़बड़ है

अकरम ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कहा, मैंने पैट कमिंस को यह कहते हुए देखा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। वह मेरे बहुत करीबी दोस्त, शानदार क्रिकेटर और विश्व क्रिकेट के बेहतरीन नेताओं में से एक हैं। इसलिए हो सकता है कि उस समय पूरी टीम को पता न हो कि क्या हो रहा था। यह मेरी राय है, जो सही भी हो सकती है और गलत भी।

गेंद रगड़कर खुद अंतर देख सकते हैं

रिवर्स स्विंग के विशेषज्ञ माने जाने वाले अकरम ने क्रिकेट प्रशंसकों को भी इस अंतर को समझने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, अगर आप क्रिकेट प्रेमी हैं और इस अंतर को देखना चाहते हैं, तो एक थोड़ी पुरानी क्रिकेट गेंद और सैंडपेपर का टुकड़ा लीजिए। उसे गेंद पर रगड़कर देखिए, आपको समझ आ जाएगा कि दोनों तरह के निशान बिल्कुल अलग होते हैं।

मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं

वसीम अकरम ने स्पष्ट किया कि वह इस विवाद में किसी एक पक्ष का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैदान के अंदर और बाहर अपने सीधे रवैये, कड़े प्रतिस्पर्धी स्वभाव और सबसे महत्वपूर्ण ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आठ साल पहले भी इस पूरे मामले के कारण ऑस्ट्रेलिया एक मुश्किल दौर से गुजरा था और अब एक बार फिर पूरा देश तनाव में है। उम्मीद है कि इस मामले का जल्द समाधान निकल जाएगा।

ख्वाजा के बयान पर भड़के थे पैट कमिंस

यह विवाद उस्मान ख्वाजा के हालिया बयान के बाद फिर से चर्चा में आया। ख्वाजा ने दावा किया था कि केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद पर सैंडपेपर इस्तेमाल किए जाने की जानकारी थी। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

तेज गेंदबाज बरार न्यूज़ीलैंड टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार



को टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे। गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने वैभव, बनाया विश्व रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान क्रुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से भगमेंदर लाथर ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर धिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।



15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शुरू हो गई है। इसमें 38 टीमें हिस्सा ले रही है। 32 टीमें एलीट और 6 टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी खेलेंगे। पिछली बार की चैंपियन झारखंड खिताब बचाने उतरेगी।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।एलीट डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एलीट डिवीजन का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।प्लेट डिवीजन में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और हर टीम के 5 लीग मैच होंगे। पॉइंट्स टेबल की शीर्ष 2 टीमें 24 नवंबर को फाइनल खेलेंगी।

पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया–पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया।पहले बल्लेबाजी करते हुए पुडुचेरी ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 रन बनाए। भानु आनंद और परमीश्वरन शिवरामन ने 46-46 रन की पारी खेली, जबकि पुगाझेंडी आकाश ने 14 गेंदों पर 42 रन बनाए।

अच्छी खबर

दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए द्वष्टष्ट विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते। दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए।



बुरी खबर

तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गईं 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर



पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया। घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था। नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल के संगयापल्ली गांव की रहने वाली थीं। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया। विकाराबाद के सर्किल इंस्पेक्टर रघु के मुताबिक, पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत का न्यूजीलैंड के साथ निर्णायक मुकाबला आज



माउंट मोनगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मोनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजों के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।

भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार

चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी।न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

रोहित पर रहेंगी निगाहें

पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर चकमा खाकर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कप्तान के रूप में अय्यर का पदार्पण भी निराशाजनक रहा। अब दोनों बल्लेबाज आखिरी मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर वैसा दबाव नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि विल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी।

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया, दूसरे खिताब से एक जीत दूर

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

कुमामोटो (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की।

दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय को बरकरार रखे हुए हैं। लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी।



दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था। लक्ष्य सेन ने हाल ही में कोरिया ओपन से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, जापान मास्टर्स में उनके प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

सूर्यकुमार ने की तूफानी वापसी, 60 रन की खेली ताबड़तोड़ पारी



मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

6 महीने बाद टी20 में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

हैदराबाद की टीम 172 रन पर सिमटी

इससे पहले मुंबई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हैदराबाद की शुरुआत अच्छी रही और अमन राव पेराला ने पहले ओवर में शार्दुल ठाकुर के खिलाफ तीन चौके लगाए। हालांकि ठाकुर ने अपने दूसरे ओवर में पेराला को आउट कर बदला चुकता किया। पावरप्ले के छह ओवर में हैदराबाद ने दो विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए थे।

मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते दर्ज की जीत

हैदराबाद के 172 रनों के जवाब में मुंबई ने 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 173 रन बना लिए। इस तरह मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव और मुशीर खान की अर्धशतकीय पारियां टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रहीं। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की।